टिप्पणी

24

साझेदार की सेवानिवृत्ति एवं मृत्यु

यदि आप अपने आसपास देखें तो आप अपने रिश्तेदारों तथा पड़ोसियों को साझेदारी में व्यापार करता हुआ पाएंगे। आपने अवश्य ही लोगों को साझेदारी के दौरान सेवानिवृत्ति ग्रहण करते हुए देखा होगा। किसी साझेदार की मृत्यु भी हो सकती है। यह वह घटनाएं हैं जो एक साझेदारी फर्म के जीवनकाल के दौरान होती रहती हैं। इन घटनाओं के कारण, वित्त से संबंधित कुछ मुद्दे उठते रहते हैं। कुछ परिसम्पत्तियों और दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन की आवश्यकता होती है। ख्याति का लेखांकन करना और संयुक्त जीवन बीमा पालिसी की राशि का वितरण करना होता है। जल्द ही इन सबके लेखांकन समायोजन की आवश्यकता पड़ती है। जब भी इस प्रकार की घटनाएं घटित होती हैं, तो फर्म को सेवानिवृत्ति ग्रहण करने वाले तथा मृत्यु को प्राप्त होने वाले साझेदार को देय राशि का निर्धारण करना होता है। इस पाठ में आप फर्म की पुस्तकों में दो प्रकार की स्थितियों अर्थात् साझेदार का सेवानिवृत्ति ग्रहण करने तथा साझेदार की मृत्यु के संबंध में लेखा करना सीखेंगे।

उद्देश्य

इस पाठ का अध्ययन करने के पश्चात् आप :

- साझेदार की सेवानिवृत्ति अथवा मृत्यु का अर्थ समझा सकेंगे;
- लाभ का नया विभाजन अनुपात तथा अधिलाभ अनुपात (gaining ratio) की गणना कर सकेंगे;
- ख्याति का समायोजन कर सकेंगे;
- साझेदार की सेवानिवृत्ति अथवा मृत्यु के समय, संचय, संचित एवं अवितरित लाभ के अभिलेखन को समझा सकेंगे;

टिप्पणी

- साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु होने पर परिसम्पत्तियों के पुनर्मूल्यांकन तथा दायित्वों का पुनः निर्धारण कर सकेंगे;
- साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु होने पर पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार कर सकेंगे;
- सेवानिवृत्ति ग्रहण करने वाले साझेदार के दावों के भुगतान तथा उससे संबंधित लेखांकन की विधियों का उदाहरण प्रस्तुत कर सकेंगे;
- साझेदारों के पूंजी खातों तथा इसके समायोजन का उदाहरण प्रस्तुत कर सकेंगे;
- साझेदार की मृत्यु की तिथि तक के लाभ का निर्धारण कर सकेंगे;
- साझेदार की मृत्यु पर उसके उत्तराधिकारी का खाता तैयार कर सकेंगे।

24.1 सेवानिवृत्ति : अर्थ, नए लाभ विभाजन अनुपात एवं अधिलाभ अनुपात (Gaining Ratio) की गणना

जब एक या अधिक साझेदार फर्म से सेवानिवृत्ति लेते हैं एवं शेष साझेदार फर्म का व्यवसाय चलाते रहते हैं तो यह साझेदारों का सेवानिवृत्त होना कहलाता है। अमित, सुमित एवं आशु एक फर्म में साझेदार हैं। कुछ पारिवारिक समस्याओं के कारण, आशु फर्म से अवकाश लेना चाहता है। अन्य साझेदार उसे साझेदारी से निकलने के लिए सहमति प्रदान करते हैं अतः कुछ कारणों से, जैसे वृद्धावस्था, खराब स्वास्थ्य, खराब संबन्ध आदि वर्तमान साझेदार साझेदारी से सेवानिवृत्त होने का निर्णय ले सकते हैं। सेवानिवृत्त होने के कारण वर्तमान साझेदारी समाप्त हो जाती है एवं शेष साझेदार नया समझौता करते हैं। अतः साझेदारी फर्म का पुर्नगठन नए नियम एवं शर्तों के साथ किया जाएगा। सेवानिवृत्ति के समय सेवानिवृत्त साझेदारों के दावों का निपटारा किया जाएगा।

साझेदार सेवानिवृत्त होता है :

(i) सभी साझेदारों की स्वीकृति से, या

(ii) समझौते की शर्तों के अनुसार, या

(iii) अपनी स्वेच्छा से।

साझेदार के सेवानिवृत्त होने की शर्ते एवं नियम सामान्यतः साझेदारी संलेख में दिये जाते हैं। यदि नहीं दिये गये हैं तब साझेदार के सेवानिवृत्त होने पर सभी साझेदारों की सहमति से शर्तें निर्धारित की जायेंगी। ऐसे में वर्तमान साझेदारी समाप्त हो जाएगी तथा शेष साझेदारों के बीच नया समझौता होगा। सेवानिवृत्ति के समय निम्न लेखांकन विषय उत्पन्न होते हैं।

(अ) नया लाभ विभाजन अनुपात एवं अधिलाभ अनुपात

(ब) ख्याति

टिप्पणी

(स) परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्य में परिवर्तन का समायोजन

(द) संचय एवं संचित लाभों का लेखाकरण

(ई) सेवानिवृत्त साझेदार के दावों का निपटारा

(फ) शेष साझेदारों की नई पूंजी।

नया लाभ विभाजन अनुपात एवं अधिलाभ अनुपात (New Profit Sharing Ratio and Gaining Ratio)

जैसे ही साझेदार सेवानिवृत्त होगा, शेष साझेदारों के लाभ विभाजन अनुपात में परिवर्तन होगा। सेवानिवृत्त साझेदार का भाग, शेष साझेदारों के मध्य बांट दिया जाएगा। किसी भी सूचना के अभाव में, शेष साझेदार, सेवानिवृत्त साझेदार का भाग अपने लाभ विभाजन अनुपात या सहमत अनुपात में लेगें। वह अनुपात जिसमें सेवानिवृत्त साझेदार का भाग, शेष साझेदारों में विभाजित किया जाता है अधिलाभ अनुपात कहलाता है। यह है :

अधिलाभ अनुपात = नया अनुपात – वर्तमान अनुपात

नया अनुपात एवं अधिलाभ अनुपात की विभिन्न स्थितियों के उदाहरण निम्न है :

(i) सेवानिवृत्त साझेदार के भाग का वर्तमान अनुपात में विभाजन

इस स्थिति में, सेवानिवृत्त साझेदार का भाग, शेष साझेदारों के बीच वर्तमान अनुपात में विभाजित कर दिया जाएगा। शेष साझेदार, लाभ व हानि का भाग, वर्तमान अनुपात में विभाजित करते रहेंगे। यह निम्न उदाहरण द्वारा स्पष्ट किया गया है।

तनू, मनू और रीना साझेदार हैं लाभ व हानि का विभाजन 4 : 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। तनू सेवानिवृत्त होती है एवं शेष साझेदार तनू का भाग वर्तमान अनुपात 3 : 2 में लेने का निर्णय लेते हैं। मनू और रीना के नए अनुपात की गणना कीजिए:

मनू एवं रीना के बीच वर्तमान अनुपात = 3/9 एवं 2/9

तनू का अनुपात (सेवानिवृत्त साझेदार) = 4/9

तनू का भाग मनू एवं रीना द्वारा 3 : 2 के अनुपात में लेने पर

मनू ने लिया = 4/9 × 3/5 = 12/45

मनू का नया भाग = 3/9 + 12/45 = 27/45

रीना ने लिया = 4/9 × 2/5 = 8/45

रीना का नया भाग = 2/9 + 8/45 = 18/45

मनू एवं रीना के बीच नया अनुपात 27/45 : 18/45 = 27 : 18 = 3 : 2.

टिप्पणी

अधिलाभ अनुपात = नया अनुपात — वर्तमान अनुपात

मनू का अधिलाभ = 27/45 – 3/9 = 12/45

रीना का अधिलाभ = 18/45 – 2/9 = 8/45

12/45 : 8/45

3 : 2

आप यह देखेंगे कि नया अनुपात, इसी अनुपात के समान है जो कि मनू एवं रीना के मध्य तनू की सेवानिवृत्ति से पहले था।

टिप्पणी : प्रश्न में सूचना के अभाव में, यह मान ले कि सेवानिवृत्त साझेदार के भाग का विभाजन वर्तमान अनुपात में होगा।

(ii) सेवानिवृत्त साझेदार के भाग का निश्चित अनुपात में विभाजन

कभी-कभी शेष साझेदार, सेवानिवृत साझेदार का भाग निश्चित अनुपात में क्रय करते हैं। उनके द्वारा क्रय किए गए भाग को उनके पुराने भाग में जोड़ने पर नया अनुपात प्राप्त होगा। यह निम्न उदाहरण के द्वारा स्पष्ट होगा :

अ, ब और स एक फर्म में साझेदार हैं जो लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। ब सेवानिवृत्त होता है एवं उसका भाग अ एवं स के मध्य बराबर विभाजित किया जाता है। अ और स का नया लाभ विभाजन अनुपात ज्ञात करें।

ब का भाग = 2/6

ब का भाग अ और स के मध्य 1 : 1 के अनुपात में विभाजित होगा

अ ने लिया 2/6 का 1/2 = 2/6 × 1/2 = 1/6

अ का नया भाग = 3/6 + 1/6 = 4/6

स ने लिया 2/6 का 1/2 = 2/6 × 1/2 = 1/6

स का नया भाग = 1/6+1/6 = 2/6

अ और स का नया लाभ विभाजन अनुपात = 4/6 : 2/6 = 2 : 1

अधिलाभ अनुपात = नया अनुपात — वर्तमान अनुपात

अ का अधिलाभ = 4/6 – 3/6 = 1/6

स का अधिलाभ = 2/6 – 1/6 = 1/6

1/6 : 1/6

1 : 1, अर्थात बराबर

टिप्पणी

(iii) सेवानिवृत्त साझेदार का भाग किसी एक साझेदार द्वारा लेने पर

सेवानिवृत्त साझेदार का भाग शेष साझेदारों में से किसी एक साझेदार द्वारा लिया गया है। इस स्थिति में, साझेदार के वर्तमान भाग में सेवानिवृत्त साझेदार के भाग को जोड़ दिया जाएगा। केवल उसका भाग परिवर्तित होगा। अन्य साझेदार लाभ का विभाजन वर्तमान अनुपात में करते रहेंगे। इस स्थिति को हल करने का उदाहरण निम्न है :

अनुज, बाबू एवं रानी लाभ का विभाजन 5 : 4 : 2 के अनुपात में करते हैं। बाबू सेवानिवृत्त होता है। उसका भाग रानी द्वारा लिया जाता है। अतः रानी का भाग 2/11 + 4/11 = 6/11 होगा। अनुज का भाग अपरिवर्तित रहेगा जो कि 5/11 है। अतः अनुज और रानी का नया लाभ विभाजन अनुपात अर्थात 5/11 : 6/11 होगा।

उदाहरण 1

नीरू, अनू एवं आशू साझेदार हैं जो लाभ का विभाजन 4 : 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। आशू सेवानिवृत्त होता है। नीरू एवं अनू का नया अनुपात ज्ञात करें यदि सेवानिवृत्ति की शर्तों में निम्न दिया गया है :

(i) अनुपात नहीं दिया गया हो,

(ii) आशू के भाग का बराबर विभाजन

(iii) आशू का भाग नीरू एवं अनू ने 2:1 अनुपात में लिया

(iv) अनू ने आशू का भाग ले लिया

हल

(i) नीरू एवं अनू का नया लाभ विभाजन अनुपात 4 : 3 है।

(ii) आशू का भाग = 2/9

नीरू ने लिया = 2/9 का 1/2 = 2/9 × 1/2 = 1/9

नीरू का नया भाग = 4/9 + 1/9 = 5/9

अनू ने लिया = 1/2 का 2/9 = 2/9 × 1/2 = 1/9

अनू का नया भाग = 3/9 + 1/9 = 4/9

नीरू और अनू का नया लाभ विभाजन अनुपात 5/9 : 4/9 or 5 : 4

अधिलाभ अनुपात 1/9 : 1/9 = 1 : 1

(iii) आशू का भाग = 2/9

नीरू ने लिया = 2/9 का 2/3 = 2/9 × 2/3 = 4/27

टिप्पणी

नीरू का नया भाग = 4/9 + 4/27 = 16/27

अनू ने लिया = 2/9 का 1/3 = 2/9 × 1/3 = 2/27

अनू का नया भाग = 3/9 + 2/27= 11/27

नीरू एवं अनू का नया लाभ विभाजन अनुपात 16 : 11 होगा

अधिलाभ अनुपात 4/27 : 2/27 = 4 : 2 = 2 : 1

$$\left[i.e.\frac{16}{27}-\frac{4}{9}=\frac{4}{27};\frac{11}{27}-\frac{3}{9}=\frac{2}{27};4:2=2:1\right]$$

(iv) अनू ने आशू का पूर्ण भाग लिया

आशू का भाग = 2/9

अनू ने लिया = 2/9

अनू का नया भाग = 3/9 + 2/9 = 5/9

नीरू एवं अनू का नया लाभ विभाजन अनुपात 4 : 5 होगा। केवल अनू को अधिलाभ मिला।

उदाहरण 2

आशीष, बर्मन एवं चंदर साझेदार हैं। यह लाभ व हानि का विभाजन क्रमशः 2 : 1 : 2 के अनुपात में करते हैं। चंदर सेवानिवृत्त होता है। आशीष एवं बर्मन भविष्य में लाभ व हानि को बराबर बाँटने का निर्णय लेते हैं। अधिलाभ अनुपात की गणना कीजिए।

हल

अधिलाभ अनुपात = नया अनुपात – वर्तमान अनुपात

आशीष ने लिया = 1/2 – 2/5 = 1/10

बर्मन ने लिया = 1/2 – 1/5 = 3/10

अतः आशीष एवं बर्मन के मध्य अधिलाभ अनुपात 1/10 : 3/10 अर्थात 1 : 3 होगा

पाठगत प्रश्न 24.1

i. उन तीन परिस्थितियों को दीजिए जिसके अंतर्गत एक साझेदार, साझेदारी से सेवानिवृत्त होगा।

ii. शेष साझेदारों का नया अनुपात =

टिप्पणी

iii. अधिलाभ अनुपात = नया अनुपात (–) .....

iv. अ, ब एवं स लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। अ सेवानिवृत्त होता है उसका भाग ब और स द्वारा 2 : 1 के अनुपात में लिया जाता है। अ के सेवानिवृत्त होने के बाद, निम्न में से ब और स का कौन सा अनुपात होगा?

(क) 3 : 2, (ख) 2 : 1, (ग) 1 : 2

24.2 ख्याति का लेखाकरण (Treatment of Goodwill)

सेवानिवृत्त साझेदार सेवानिवृति के समय अपने भाग की ख्याति पाने का अधिकारी है क्योंकि ख्याति सभी साझेदार, सेवानिवृत्त साझेदार सहित, द्वारा बीते समय में किए गए प्रत्यनों का परिणाम है। सेवानिवृत्त साझेदार को उसके भाग की ख्याति के लिए क्षतिपूर्ति की जाती है। लेखा मानक 10 (AS-10) के अनुसार बहियों में ख्याति का लेखा केवल तब किया जाता है जब उसके लिए राशि का भुगतान किया गया हो। अतः ख्याति का लेखा बहियों में तभी किया जाएगा जब उसका क्रय किया जाता है। अपने आप से ख्याति खाता नहीं खोला जाएगा।

अतः साझेदार के सेवानिवृत्त होने की स्थिति में ख्याति का समायोजन साझेदारों के पूंजी खातों द्वारा किया जाएगा।

सेवानिवृत्त साझेदार के पूंजी खाते को उसके ख्याति के भाग से जमा करेंगे एवं शेष साझेदारों के पूंजी खातों को ख्याति की राशि को उनके अधिलाभ अनुपात से नाम करेंगे। इसकी निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाएगी :

शेष साझेदारों के पूंजी खाते (व्यक्तिगत)		नाम
	सेवानिवृत्त साझेदार का खाता	जमा
(सेवानिवृत्त साझेदार के भाग की ख्याति का शेष साझेदारों के अधिलाभ अनुपात में समायोजन)		

उदाहरण 3

मीतू, उदित एवं सन्नी साझेदार है और लाभ का विभाजन बराबर करते हैं। सन्नी सेवानिवृत्त होता है। फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 54,000 किया गया। फर्म की पुस्तकों में ख्याति खाता नहीं दर्शाया गया है। मीतू एवं उदित का भविष्य में लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 है। ख्याति के लिए आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियां करें।

टिप्पणी

हल

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
	मीतू का पूंजी खाता नाम उदित का पूंजी खाता नाम सन्नी का पूंजी खाता से (सन्नी के भाग की ख्याति का शेष साझेदारों के अधिलाभ अनुपात 4 : 1 में समायोजन)		14,400 3,600	 18,000

टिप्पणी :

ख्याति में सन्नी का भाग ₹ 54,000 × 1/3 = ₹ 18,000

अधिलाभ अनुपात = नया अनुपात – वर्तमान अनुपात

मीतू को लाभ = 3/5 – 1/3 = 9 – 5/15 = 4/15

उदित को लाभ = 2/5 - 1/3 = 6 – 5/ 15 = 1/15

मीतू एवं उदित के मध्य अधिलाभ अनुपात = 4 : 1

जब ख्याति खाता बहियों में पहले से ही विद्यमान हो

सामान्यतः ख्याति को फर्म की बहियों में नहीं दर्शाया जाता है। यदि साझेदार की मृत्यु/सेवानिवृत्ति के समय, ख्याति फर्म के स्थिति विवरण में दशार्यी गई है तो इसको सभी साझेदारों के पूंजी खातों को उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात से नाम करके एवं ख्याति खाते को जमा करके अपलिखित किया जाएगा। इस स्थिति में निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाएगी :

साझेदार का पूंजी खाता नाम (सेवानिवृत्त साझेदार की पूंजी खाते सहित)
ख्याति खाता से
(वर्तमान ख्याति अपलिखित करने पर)

उदाहरण 4

तनू, प्रिया एवं मयंक साझेदार हैं। ये लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। प्रिया सेवानिवृत्त होती है। प्रिया की सेवानिवृत्ति की तिथि को ख्याति का मूल्य ₹ 90,000 है। ₹ 48,000 मूल्य की ख्याति बहियों में पहले से विद्यमान है। तनू एवं मयंक का नया अनुपात 3 : 2 है। आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियां करें।

टिप्पणी

हल

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
	तनू का पूंजी खाता नाम		24,000	
	प्रिया का पूंजी खाता नाम		16,000	
	मयंक का पूंजी खाता नाम		8,000	
	ख्याति खाता से			48,000
	(बहियों में वर्तमान ख्याति के अपलिखित करने पर)			
	तनू का पूंजी खाता नाम		9,000	
	मयंक का पूंजी खाता नाम		21,000	
	प्रिया का पूंजी खाता से			30000
	(प्रिया के भाग की ख्याति का शेष साझेदारों के अधिलाभ अनुपात 3 : 7 में समायोजन)			

टिप्पणी : प्रिया के भाग की ख्याति = ₹ 90,000 × 2/6 = ₹ 30,000

अधिलाभ अनुपात = नया अनुपात – वर्तमान अनुपात

तनू का लाभ = 3/5 – 3/6 = 18/30 – 15/30 = 3/30

मयंक का लाभ = 2/5 – 1/6 = 12/30 – 5/30 = 7/30

तनू एवं मयंक के मध्य अधिलाभ अनुपात = 3 : 7

पाठगत प्रश्न 24.2

निम्न में से कौन सा कथन सत्य या असत्य है लिखे?

i. सेवानिवृत्त साझेदार के भाग की ख्याति को सेवानिवृत्ति के समय उसके पूंजी खाते में नाम किया जाता है।

ii. ख्याति का लेखा बहियों में लेखा तभी किया जाता है जब उसे क्रय किया गया हो।

iii. सेवानिवृत्त साझेदार के पूंजी खाते को उसके भाग की ख्याति से नाम किया जाता है एवं शेष साझेदारों के पूंजी खातों को उनके अधिलाभ अनुपात से जमा किया जाता है।

iv. ख्याति खाते को अपलिखित करने की स्थिति में सभी साझेदारों के पूंजी खातों को जमा किया जाता है।

टिप्पणी

24.3 परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन

साझेदार की सेवानिवृत्ति के समय, फर्म की परिसम्पतियों एवं दायित्वों का पुनर्मूल्यांकन किया जाता है। पुनर्मूल्यांकन खाते को उसी तरह तैयार किया जाता है जैसा कि साझेदार के प्रवेश के समय किया जाता है। इसको साझेदार की सेवानिवृत्ति/मृत्यु के समय परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों के मूल्य में हुए परिवर्तनों का समायोजन करने के लिए बनाया जाता है। पुनर्मूल्यांकन के कारण लाभ या हानि को सभी साझेदारों में, सेवानिवृत/मृतक साझेदार सहित उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में विभाजित किया जाएगा। इस उद्देश्य के लिये निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएंगी।

(i) परिसम्पतियों के मूल्य में वृद्धि के लिये

परिसम्पति खाता	नाम	(व्यक्तिगत)
पुनर्मूल्यांकन खाता से		
(परिसम्पतियों के मूल्य में वृद्धि के लिये)		

(ii) परिसम्पतियों के मूल्य में कमी के लिये

पूर्नमूल्यांकन खाता	नाम	
परिसम्पति खाता से		(व्यक्तिगत)
(परिसम्पत्तियों के मूल्य में कमी पर)		

(iii) दायित्वों के मूल्य में वृद्धि के लिये

पूर्नमूल्यांकन खाता	नाम	
दायित्व खाता से		(व्यक्तिगत)
(दायित्वों के मूल्य में वृद्धि होने पर)		

(iv) दायित्व के मूल्य में कमी के लिये

दायित्व खाता	नाम	
पुनर्मूल्यांकन खाता से		(व्यक्तिगत)
(दायित्व के मूल्य में कमी होने पर)		

परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों में हुये मूल्य परिवर्तन का लेखा करने के लिये पुनर्मूल्यांकन खाता बनाया जाता है। यह पुनर्मूल्यांकन पर लाभ या हानि को दिखाता है। इस लाभ या हानि का विभाजन सभी साझेदारों (सेवा निवृत/मृतक साझेदार सहित) के बीच उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में किया जाएगा।

(v) पुनर्मूल्यांकन पर लाभ के लिये

पुनर्मूल्यांकन खाता	नाम	
साझेदार का पूँजी खाता से		(व्यक्तिगत)
(पुनर्मूल्यांकन पर लाभ का सभी साझेदारों के मध्य उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार)		

टिप्पणी

(vi) पुनर्मूल्यांकन पर हानि के लिये
साझेदार का पूँजी खाता नाम (व्यक्तिगत)
पुनर्मूल्यांकन खाता से
(पुनर्मूल्यांकन पर हानि, सभी साझेदार द्वारा
उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार)

उदाहरण 5

मुदित, मोहित, एवं सोनू साझेदार हैं। ये लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। मुदित साझेदारी से सेवानिवृत होता है। उसके दावों का निपटान करने के लिये, परिसम्पत्तियों एव दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर निम्न सहमति हुई :

(i) मशीनरी के मूल्य में ₹ 25,000 की वृद्धि होगी।

(ii) विनियोग के मूल्य में ₹ 2,000 की वृद्धि होगी।

(iii) बहियों में ₹ 1,000 के अदत बिल के प्रावधान की अब आवश्यकता नहीं है।

(iv) भूमि व भवन के मूल्य में ₹ 12,000 की कमी होगी।

रोजनामचा प्रविष्टियाँ करें एवं पुनर्मूल्यांकन खाता तैयार करें।

हल

रोजनामचा

तिथि	विवरण	खा.पृ. सं.	नाम राशि (₹)	जमा राशि (₹)
	मशीनरी खाता नाम		25,000	
	विनियोग खाता नाम		2,000	
	अदत बिल के लिये प्रावधान नाम		1,000	
	पुनर्मूल्यांकन खाता से			28,000
	(परिसम्पत्तियों के मूल्य में वृद्धि मशीनरी व विनियोग एवं प्रावधान में कमी)			
	पुनर्मूल्यांकन खाता नाम		12,000	
	भूमि व भवन खाता से			12,000
	(परिसम्पत्तियों के मूल्य में कमी)			

टिप्पणी

	पुनर्मूल्यांकन खाता नाम		16,000	
	मुदित का पूँजी खाता से			8,000
	मोहित का पूँजी खाता से			5,333
	सोनू का पूँजी खाता से			2,667
	(पुनर्मूल्यांकन पर लाभ का साझेदारों के पूँजी खातों में उनके वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात 3 : 2 : 1 में जमा)			

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण		*(₹)*	*विवरण*	*(₹)*
भूमि व भवन		12,000	मशीनरी	25,000
लाभ का हस्तांतरण :			विनियोग	2,000
मुदित की पूँजी	8,000		अदत्त बिल के लिय प्रावधान	1,000
मोहित की पूंजी	5,333			
सोनू की पूंजी	2,667	16,000		
		28,000		28,000

24.4 संचित संचय एवं अवितरित लाभों का लेखाकरण

सेवानिवृत्ति/मृत्यु की तिथि को फर्म के स्थिति विवरण में दर्शाये गए सभी संचित कोषों एवं लाभ व हानि की अतिरिक्त राशि के शेष को सभी साझेदारों, सेवा निवृत/मृतक साझेदार सहित, में उनके पुराने लाभ विभाजन अनुपात में बाँटा जाएगा। इसके लिये निम्न रोजनामचा प्रविष्टियाँ की जाएंगीः

(i) अवितरित लाभ एवं संचय के वितरण के लिये

संचय खाता	नाम	
लाभ एवं हानि खाता (लाभ)	नाम	
साझेदार का पूंजी खाता से		(व्यक्तिगत)
(संचय एव लाभ व हानि (लाभ) का सभी साझेदारों के पूंजी खातों में उनके वर्तमान लाभ विभजान अनुपात में हस्तांतरण करने पर)		

टिप्पणी

(ii) अवितरित हानि के वितरण के लिये

साझेदार का पूंजी खाता नाम (व्यक्तिगत)
लाभ एव हानि (हानि) खाता से
(लाभ एव हानि (हानि) का सभी साझेदारों के वर्तमान लाभ विभाजन अनुपात में हस्तांतरण)

पाठगत प्रश्न 24.3

I. रिक्त स्थानों की उचित शब्द भरकर पूर्ति कीजिए :

i. पुनर्मूल्यांकन खाते का जमा शेष.....दर्शाता है

ii. स्थिति विवरण में दिखाये गए संचय का हस्तातरण, साझेदार की सेवा सेवानिवृति के समय .....के .....पक्ष में किया जाता है।

iii. साझेदार की सेवानिव त्ति के समय परिसम्पत्तियों के मूल्य में कमी के लिये ..... खाते को नाम एवं ..... खाते को कमी से जमा किया जाएगा।

II. साझेदार के सेवानिवृति के समय लेनदारों के मूल्य में वृद्धि हुई। उपरोक्त के लिये क्या रोजनामचा प्रविष्टि की जाएगी।

24.5 सेवानिवृत साझेदार के दावों का निपटारा (Settlement of Retiring Partner's Claim)

सेवानिवृत साझेदार की देय राशि का भुगतान, साझेदारी समझौते की शर्तो के अनुसार किया जाएगा। सेवानिवृत साझेदार के दावों में निम्न सम्मिलित हैः

(अ) पूँजी खाते का जमा शेष,

(ब) फर्म की ख्याति में उसका भाग,

(स) पुनर्मूल्यांकन लाभ में उसका भाग,

(द) सामान्य संचय एवं संचित लाभों में उसका भाग,

(फ) पूंजी पर ब्याज।

लेकिन निम्न को उसके पूंजी खाते में घटाया जाएगा।

(अ) पुर्नमुल्यांकन से हानि में उसका भाग,

(ब) उसके द्वारा सेवानिवृत होने की तिथि तक के आहरण एवं आहरण पर ब्याज,

(स) संचित हानियों में उसका भाग,

टिप्पणी

(द) फर्म से लिये गए ऋण।

सेवानिवृत साझेदार के दावों की कुल राशि की गणना इस प्रकार की जाएगी। वह शीघ्र राशि प्राप्त करना चाहेगा। उसकी सेवानिवृति के बाद कुल भुगतान तुरंत किया जा सकता है। यदि फर्म के पास सेवानिवृत साझेदार को एकमुश्त भुगतान करने के पर्याप्त साधन नहीं है तब फर्म सेवानिवृत साझेदार को किश्तो में भुगतान कर सकती है।

(i) एकमुश्त भुगतान (Payment in Lumpsum)

सेवानिवृत साझेदार के दावों का भुगतान या तो फर्म में विद्यमान कोषों से या शेष साझेदारों द्वारा लाए गए कोषों से किया जाएगा।

सेवानिवृत साझेदार को देय राशि का निपटान करने के लिये निम्न रोजनामचा प्रविष्टि की जाएगी :

एकमुश्त रोकड़ भुगतान करने पर
सेवानिवृत साझेदार का पूँजी खाता नाम
रोकड/बैंक खाता से
(सेवानिवृत साझेदार को राशि का भुगतान)

उदाहरण 6

ओम, जय, एवं जगदीश साझेदार हैं और लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। दिसम्बर 31, 2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न है :

स्थिति विवरण
दिसंबर 31, 2014

दायित्व		*(₹)*	*परिसम्पत्तियाँ*		*(₹)*
लेनदार		80,000	भवन		1,80,000
देय विपत्र		26,000	संयन्त्र		1,40,000
सामान्य संचय		24,000	मोटर कार		40,000
पूंजी :			स्टॉक		1,00,000
ओम	1,60,000		देनदार	63,000	
जय	1,20,000		*घटा :* डूबत ऋण		
जगदीश	1,20,000	4,00,000	के लिये प्रावधान	3,000	60,000
			बैंक में रोकड़		10,000
		5,30,000			5,30,000

टिप्पणी

इस तिथि को निम्न शर्तों पर जय सेवानिवृत हुआ

(अ) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 60,000 किया गया।

(ब) स्टॉक एवं भवन के मूल्य में 10 प्रतिशत वृद्धि होगी।

(स) संयन्त्र पर 10 प्रतिशत ह्रास लगेगा।

(द) डूबत ऋण के लिये प्रावधान को ₹ 5,000 तक बढ़ाया जाएगा।

(इ) जय के भाग की ख्याति को शेष साझेदारों के पूंजी खातों में समायोजित किया जाएगा।

जय को देय राशि का भुगतान ओम एवं जगदीश द्वारा इस उद्देश्य के लिये उनके नये लाभ विभाजन अनुपात में लाए गए कोष से किया जाएगा। जय को पूर्ण राशि का भुगतान किया जाएगा।

पूर्नमूल्यांकन खाता एवं साझेदारों के पूंजी खाते बनाइए।

हल

यह माना गया है कि ओम एवं जगदीश का अधिलाभ अनुपात 3 : 1 है।

(अ) अधिलाभ अनुपात = 3 : 1

ओम ने लिया = $2/6 \times 3/4 = 1/4$

ओम का नया भाग = $3/6 + 1/4 = 3/4$

जगदीश ने लिया = $2/6 \times 1/4 = 1/12$

जगदीश का नया भाग = $1/6 + 1/12 = 3/12 = 1/4$

ओम एवं जगदीश के बीच नया लाभ विभाजन अनुपात $3/4 : 1/4 = 3 : 1$.

(ब) ख्याति में जगदीश का भाग = $60,000 \times 2/6$ = ₹ 20,000

शेष साझेदारों के पूंजी खातो द्वारा समायोजन

ओम का पूंजी खाता	नाम	1,5000	
जगदीश का पूँजी खाता	नाम	5,000	
जय का पूंजी खाता	जमा		20,000

(जय के भाग की ख्याति का शेष साझेदारों के पूँजी खाते में समायोजन)

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण	*(₹)*	*विवरण*	*(₹)*
डूबत ऋण के लिये प्रावधान	2,000	स्टॉक	10,000

टिप्पणी

सयंत्र		14,000	भवन		18,000
लाभ का पूंजी खातो में हस्तांतरण :					
ओम	6,000				
जय	4,000				
जगदीश	2,000	12,000			
		28,000			28,000

पूँजी खाता

नाम जमा

विवरण	*ओम (₹)*	*जय (₹)*	*जगदीश (₹)*	*विवरण*	*ओम (₹)*	*जय (₹)*	*जगदीश (₹)*
पूँजी	15,000	—	5,000	शेष आ/ला	1,60,000	1,20,000	1,20,000
बैंक		1,52,000		सामान्य संचय	12,000	8,000	4,000
शेष आ/ले	2,77,000	—	1,59,000	पुनर्मूल्यांकन पर लाभ	6,000	4,000	2,000
				ओम की पूँजी	—	15,000	—
				जगदीश की पूँजी	—	5,000	
				बैंक	1,14,000		38,000
	2,92000	1,52,000	164,000		2,92000	1,52,000	164,000

(ii) किश्तों में भुगतान

सेवानिवृत्त साझेदार को देय राशि का भुगतान किश्तों में करने की स्थिति में सामान्यतः सेवा निवृति पर कुछ राशि का भुगतान तुरंत कर दिया जाता है तथा शेष राशि को उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कर दिया जाता है। इस राशि का भुगतान एक या अधिक किश्तों में किया जाएगा। ऋण राशि पर कुछ ब्याज देय होगा। समझौते की अनुपस्थिति में भारतीय साझेदारी अधिनियम, 1932 की धारा 37 लागू होगी।

इस नियम के अनुसार, यदि सेवानिवृत्ति पर देय राशि का तुरंत भुगतान नहीं किया जाता, तब वह देय राशि पर 6 प्रतिशत वार्षिक की दर से ब्याज का दावा कर सकता है।

किश्तों को दो भागों में बाँटा जा सकता है :

(i) सेवानिवृत्त साझेदार को देय किश्त की मूल राशि

(ii) सहमत दर से ब्याज

ऋण पर देय ब्याज की राशि को सेवानिवृत्त साझेदार के ऋण खाते में जमा किया जाएगा। उसके बाद सेवानिवृत्त साझेदार को किश्त का भुगतान ब्याज सहित निर्धारित समय तालिका अनुसार दिया जाएगा।

टिप्पणी

(i) कुछ भाग का भुगतान रोकड़ में एवं शेष को उसके ऋण खाते में हस्तांतरित किया जाएगा।

सेवानिवृत्त साझेदार का पूंजी खाता नाम
रोकड़/बैंक खाता से
साझेदार का ऋण खाता से
(कुछ भाग का भुगतान एवं शेष का ऋण खाते में हस्तांतरण)

(ii) कुल देय राशि को ऋण खाते में हस्तांतरित करने पर

सेवानिवृत्त साझेदार का पूंजी खाता नाम
सेवानिवृत्त साझेदार का ऋण खाता से
(कुल देय राशि का ऋण खाते में हस्तांतरण)

(iii) ब्याज देय होने पर

ऋण पर ब्याज खाता नाम
सेवानिवृत्त साझेदार का पूंजी खाता से
(ऋण पर देय ब्याज)

(iv) किस्तों के भुगतान करने पर

सेवानिवृत्त साझेदार का ऋण खाता नाम
रोकड़/बैंक खाता से
(किश्त का भुगतान ब्याज सहित)

उदाहरण 7

पिछले उदाहरण की संख्याओं को लेकर यह मानें की देय राशि का 40% तुरंत भुगतान किया गया एवं शेष राशि को 3 बराबर वार्षिक किश्तों में दिया जाएगा। ब्याज 12% वार्षिक दर से देय है।

हल

जय को देय राशि = ₹ 1,52,000

राशि का तुरंत भुगतान = ₹ 1,52,000 × 40/100 = ₹ 60,800

तीन बराबर किश्तों की राशि = ₹ 1,52,000 − ₹ 60,800/3
= ₹ 91,200 ÷ 3 = ₹ 30,400

पहली किश्त, प्रथम वर्ष के समाप्त होने पर = ₹ 30,400 + ₹ 10,944
= ₹ 41,344

टिप्पणी

ब्याज 12% वार्षिक की दर से = ₹ 91,200 × 12/100
= ₹ 10,944

दूसरी किस्त, द्वितीय वर्ष के समाप्त होने पर = ₹ 30,400 + ₹ 7,296
= ₹ 37,696

ब्याज 12% वार्षिक की दर से = ₹ 60,800 × 12/100
= ₹ 7,296

तीसरी किश्त, तृतीय वर्ष के समाप्त होने पर = ₹ 30,400 + ₹ 3,648
= ₹ 34,048

12% वार्षिक दर से ब्याज = ₹ 30,400 × 12/100
= ₹ 3,648

पाठगत प्रश्न 24.4

I. सेवानिवृत्त साझेदार के विभिन्न दावों की सूची बनाइए।

II. सेवानिवृत्त साझेदार के कुल दावों का निपटान करने की विभिन्न विधियों को लिखे।

III. मुनीष को देय कुल राशि ज्ञात करें जो कि साझेदार के रूप में सेवानिवृत्त हुआ।

i. मुनीष के पूंजी खाते में जमा शेष ₹ 20,000
ii. ख्याति में मुनीष का भाग ₹ 7,000
iii. स्थिति विवरण में दिखाया गया सामान्य संचय का शेष ₹ 10,000
iv. परिसम्पत्तियों/दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ ₹ 3,000
v. आहरण पर ब्याज ₹ 500
vi. फर्म के लाभ में मुनीष का भाग 1/2

24.6 सेवानिवृत्त होने के बाद शेष साझेदारों के पूंजी खातों का समायोजन

साझेदार के सेवानिवृत्त होने के बाद शेष साझेदार आपनी पूंजी को समायोजित करने का निर्णय ले सकते हैं। कभी-कभी शेष साझेदार पुनर्गठित फर्म की कुल पूंजी की राशि का निर्धारण कर लेते हैं एवं आपने पूंजी खातों को नए लाभ विभाजन अनुपात में रखने का निर्णय लेते हैं। फर्म की नवनिर्धारित कुल पूंजी, सेवानिवृत्ति के समय की उनकी कुल पूंजी से कम या अधिक हो सकती है। साझेदार की नई पूंजी की

टिप्पणी

तुलना उनके पूंजी खाते में जमा शेष से की जाती है। यदि पूंजी खाते में कुछ आधिक्य है, तब संबंधित साझेदार द्वारा राशि निकाल ली जाएगी। यदि पूंजी खाते का शेष गणना की गई राशि से कम है तो इस स्थिति में साझेदार इसके द्वारा रोकड़ लाएगा।

उदाहरण 8

रूपा, सुन्दर और शालू साझेदार हैं। ये लाभ का विभाजन 5 : 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। रूपा सेवानिवृत्त होती है। उनकी पूंजी सेवानिवृत्ति के समय सभी समायोजन करने के बाद क्रमशः ₹ 46,000; ₹ 42,000; एवं ₹ 38,000 है। सुंदर और शालू ने निर्णय लिया कि फर्म की कुल पूंजी ₹ 84,000 होगी जिसका अनुपात 7 : 5 होगा। प्रत्येक साझेदार द्वारा भुगतान की गई या लाई गई रोकड़ की गणना करें एवं आवश्यक रोजनामचा प्रविष्टियां करें।

हल

नई फर्म की कुल पूंजी = ₹ 84,000

नई पूंजी में सुन्दर का भाग = ₹ 84,000 × 7/12
= ₹ 49,000

नई पूंजी में शालू का भाग = ₹ 84,000 × 5/12
= ₹ 35,000

नई पूंजी में सुंदर के भाग की पूंजी की तुलना उसके पूंजी खाते के जमा शेष से करने पर, यह पता लगता है कि वह कमी की राशि (₹ 49,000 – ₹ 42,000) ₹7,000 रोकड़ लाएगा।

इसी प्रकार फर्म की नई पूंजी में शालू का भाग ₹ 35,000 है जबकि उसके पूंजी खाते में ₹ 38,000 शेष हैं। अतः वह फर्म से ₹ 300 (₹ 38,000 – ₹ 35,000) की आधिक्य राशि निकाल कर ले जाएगी। इस प्रकार उसकी पूंजी नए लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार हो जाएगी।

रोजनामचा

तिथि	*विवरण*	*खा.पृ. सं.*	*नाम राशि (₹)*	*जमा राशि (₹)*
	बैंक खाता नाम सुन्दर का पूंजी खाता से (साझेदार द्वारा कमी की राशि लाने पर)		7,000	7,000

टिप्पणी

	शालू का पूंजी खाता नाम बैंक खाता से (साझेदार द्वारा आधिक्य राशि निकालने पर)		3,000	3,000

शेष साझेदारों की पूंजी का उनके लाभ विभाजन अनुपात में समायोजन जब नई फर्म की कुल पूंजी का पूर्व निर्धारण नहीं हुआ है।

इस स्थिति में शेष साझेदारों की समायोजित पूंजी की कुल राशि को उनके सहमत अनुपात में पुनः व्यवस्थित किया जाएगा जिसमें वे पुनर्गठित फर्म का लाभ विभाजन करेंगे। इसमें निम्न चरणों को अपनाया जाएगा।

(i) शेष साझेदारों के पूंजी खातों के जमा शेष का योग किया जाएगा।

(ii) प्राप्त योग ही फर्म की कुल पूंजी होगी।

(iii) पूंजी को नए लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार साझेदारों में बांटा जाएगा।

उदाहरण 9

सुमित, अमित एवं नेहा साझेदार है एवं लाभ का विभाजन 4 : 3 : 1 के अनुपात में करते हैं। जब अमित सेवानिवृत्त हुआ, उनकी समायोजित पूंजी क्रमशः ₹ 76,000; ₹45,000 एवं ₹ 34,000 थी।

सुमित और नेहा ने फर्म की कुल पूंजी को 3 : 2 के अनुपात में रखने का निर्णय लिया। इस संबंध में आवश्यक समायोजन केवल रोकड़ द्वारा किए जाऐंगे। प्रत्येक साझेदार को भुगतान की गई या लाई गई वास्तविक राशि की गणना करें।

हल :

शेष साझेदारों की समायोजित पूंजी का योग।

	₹
सुमित	76,000
नेहा	34,000
योग	1,10,000

फर्म की कुल पूंजी का 3 : 2 के नए अनुपात में विभाजन

सुमित की नई पूंजी = 1,10,000 × 3/5 = ₹ 66,000

नेहा की नई पूंजी = 1,10,000 × 2/5 = ₹ 44,000

टिप्पणी

सुमित का नई फर्म की पूंजी में भाग ₹ 66,000 है जबकि उसके पूंजी खाते का जमा शेष ₹ 76,000 है। अतः वह फर्म से ₹ 10,000 (₹ 76,000 – ₹ 66,000) निकालकर ले जाएगा और उसकी पूंजी नए लाभ विभाजन अनुपात के अनुसार हो जाएगी।

इसी प्रकार फर्म की नई पूंजी में नेहा का भाग ₹ 44,000 है जबकि उसके पूंजी खाते में ₹ 34,000 जमा शेष है वह ₹ 10,000 (₹ 44,000 – ₹ 34,000) रोकड़ लाएगी, जिससे उसके पूंजी खाते की कमी को पूरा किया जाएगा।

उदाहरण 10

31 मार्च, 2014 को रोहित, निशा एवं सुनील का स्थिति विवरण निम्न है। साझेदार लाभ का विभाजन पूंजी अनुपात में करते हैं।

दायित्व		*(₹)*	*परिसम्पतियां*		*(₹)*
लेनदार		25,000	मशीनरी		40,000
देय विपत्र		13,000	भवन		90,000
सामान्य संचय		22,000	देनदार	30,000	
पूँजी			*घटा:* डूबत ऋण		
रोहित	60,000		के लिए प्रावधान	1,000	29,000
निशा	40,000		स्टॉक		23,000
सुनील	40,000	1,40,000	बैंक में रोकड़		18,000
		2,00,000			2,00,000

स्थिति विवरण की तिथि को निशा फर्म से सेवानिवृत्त हुई एवं निम्न समायोजन किए गए :

(i) भवन के मूल्य में 20% की वृद्धि हुई।

(ii) देनदारों पर डूबत ऋण के लिये प्रावधान में 5 % तक वृद्धि की जाएगी।

(iii) मशीनरी पर 10 % ह्रास लगया जाएगा।

(iv) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 56,000 किया गया और सेवानिवृत्त साझेदार का भाग समायोजित किया जाएगा।

(v) नई फर्म की पूंजी ₹ 1,20,000 निर्धारित की गई।

निशा की सेवानिवृत्ति के उपरान्त पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूंजी खाते बनाएँ तथा नई फर्म का स्थिति विवरण तैयार करें।

टिप्पणी

हल

पुनर्मूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण	(₹)	विवरण	(₹)
डूबत ऋण के लिए प्रावधान	500	भवन	18,000
मशीनरी	4,000		
लाभ का पूंजी खातों में हस्तांतरण (3 : 2 : 2)			
रोहित 5,786			
निशा 3,857			
सुनील 3,857	13,500		
	18,000		18,000

पूंजी खाता

नाम जमा

विवरण	रोहित (₹)	निशा (₹)	सुनील (₹)	विवरण	रोहित (₹)	निशा (₹)	सुनील (₹)
निशा की पूंजी	9,600		6,400	शेष आ/ला	60,000	40,000	40,000
बैंक	—	66,143	—	सामान्य संचय	9,428	6,286	6,286
शेष आ/ले	72,000	—	48,000	पुनर्मूल्यांकन (लाभ)	5,786	3,857	3,857
				रोहित की पूंजी	—	9,600	—
				सुनील की पूंजी	—	6,400	—
				बैंक	6,386	—	4,257
	81,600	66,143	54,400		81,600	66,143	54,400

31 मार्च 2014 को स्थिति विवरण

दायित्व	(₹)	परिसम्पत्तियाँ	(₹)
लेनदार	25,000	भवन	1,08,000
बैंक अधिविकर्ष	37,500	मशीनरी	36,000
देय विपत्र	13,000	देनदार 30,000	
पूंजी		*घटा:* डूबत ऋण	
रोहित 72,000		के लिये प्रावधान 1,500	28,500
सुनिल 48,000	1,20,000	स्टॉक	23,000
	1,95,500		1,95,500

टिप्पणी

कार्यकारी टिप्पणी :

(i) (अ) लाभ विभाजन अनुपात 60,000 : 40,000 : 40,000 = 3 : 2 : 2

(ब) अधिलाभ अनुपात : रोहित = 3/5 – 3/7 = 21/35 – 15/35 = 6/35

सुनील = 2/5-2/7 = 14/35 – 10/35 = 4/35

= 6/35 : 4/35

= 6 : 4 = 3 : 2

(स) ख्याति में निशा का भाग = 56,000 × 2/7 = ₹ 16,000.

ख्याति के इस भाग का वर्तमान साझेदारों पर भार उनके अधिलाभ अनुपात में :

रोहित = 16,000 × 3/5 = ₹ 9,600

सुनील = 16,000 × 2/5 = ₹ 6,400

रोजनामचा प्रविष्टि होगी

रोहित का पूँजी खाता	नाम	9,600	
सुनिल का पूँजी खाता	नाम	6,400	
निशा का पूँजी खाता	जमा		16,000

(सेवानिवृत्त साझी की ख्याति के भाग का अधिलाभ में अनुपात में विभाजन)

बैंक खाता

नाम जमा

विवरण	*(₹)*	*विवरण*	*(₹)*
शेष आ/ला	18,000	निशा का पूंजी खाता	66,143
रोहित का पूंजी खाता	6,386		
सुनील का पूंजी खाता	4,257		
शेष आ/ले	37,500		
	66,143		66,143

(ii) सेवानिवृत्त साझेदार की राशि का भुगतान करने के लिए बैंक अधिविकर्ष लिया गया।

(iii) नई फर्म की कुल पूंजी ₹ 1,20,000 है।

टिप्पणी

	रोहित ₹	सुनिल ₹
नई पूंजी (1,20,000 3 : 2 के अनुपात में)	72,000	48,000
विद्यमान पूंजी (समायोजनों के बाद)	65,614	43,743
शेष साझेदारों द्वारा लाई गई रोकड़	6,386	4,257

उदाहरण 11

चौहान त्रिपाठी एवं गुप्ता एक फर्म में साझेदार हैं जो हानि का विभाजन क्रमशः 1/2, 1/6 और 1/3 के अनुपात में करते हैं। मार्च 31,2014 को स्थिति विवरण निम्न है :

दायित्व		(₹)	परिसंपत्तियाँ		(₹)
विविध लेनदार		36,000	पट्टामुक्त परिसर		80,000
देय विपत्र		24,000	मशीनरी		60,000
सामान्य संचय		24,000	फर्नीचर		24,000
पूंजी			देनदार	40,000	
चौहान	60,000		*घटा :* डूबत ऋण के		
त्रिपाठी	60,000		लिये प्रावधान	2,000	38,000
गुप्ता	56,000	1,76,000	स्टॉक		44,000
			रोकड़		14,000
		2,60,000			2,60,000

गुप्ता व्यवसाय से सेवानिवृत हुए एवं साझेदार निम्न पुनर्मूल्यांकन के लिए सहमत हुए।

(अ) पट्टा मुक्त परिसर एवं स्टॉक के मूल्य में क्रमशः 20% एवं 15% की वृद्धि हुई।

(ब) मशीनरी एवं फर्नीचर पर क्रमशः 10% एवं 7% ह्रास लगाया जाएगा।

(स) डूबत ऋण के संचय में वृद्धि कर ₹ 3,000 कर दिया जायेगा।

(द) गुप्ता की सेवानिवृत्ति पर ख्याति का ₹ 42,000 मूल्यांकन किया जाए।

(फ) गुप्ता की सेवानिवृत्ति के पश्चात् शेष साझेदारों ने पूंजी को नए लाभ विभाजन अनुपात में समायोजित करने का निर्णय लिया। पूंजी खातों में अधिक या कमी यदि कोई हो तो रोकड़ द्वारा समायोजित की जाएगी।

आवश्यक खाते बनाइए एवं पुनर्गठित फर्म के लिए स्थिति विवरण तैयार कीजिए।

टिप्पणी

हल

पूर्नमूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण	(₹)	विवरण	(₹)
डूबत ऋण के लिए प्रावधान	1,000	पट्टामुक्त परिसर	16,000
मशीनरी	6,000	स्टॉक	6,600
फर्नीचर	1,680		
लाभ का पूंजी खातों में हस्तांतरण			
चौहान 6,960			
त्रिपाठी 2,320			
गुप्ता 4,640	13,920		
	22,600		22,600

पूंजी खाता

नाम जमा

विवरण	चौहान (₹)	त्रिपाठी (₹)	गुप्ता (₹)	विवरण	चौहान (₹)	त्रिपाठी (₹)	गुप्ता (₹)
गुप्ता की पूंजी	10,500	3,500	—	शेष आ/ला	60,000	60,000	56,000
गुप्ता का ऋण			82,640	समान्य संचय	12,000	4,000	8,000
रोकड़		30,000		पूर्नमूल्यांकन (लाभ)	6,960	2,320	4,640
शेष आ/ले	98,460	32,820		चौहन की पूंजी	—	—	10,500
				त्रिपाठी की पूंजी			3,500
				रोकड़	30,000		
	1,08,960	66,320	82,640		1,08,960	66,320	82,640

मार्च 31, 2014 को स्थिति विवरण

दायित्व	(₹)	परिसम्पत्तियाँ	(₹)
लेनदार	36,000	पट्टामुक्त परिसर	96,000
देयविपत्र	24,000	मशीनरी	54,000
गुप्ता का ऋण	82,640	फर्नीचर	22,320
पूंजी		देनदार 40,000	
चौहान 98,460		*घटा:* डुबत ऋण के	
त्रिपाठी 32,820	1,31,280	लिए प्रावधान 3,000	37,000
		स्टॉक	50,600
		रोकड़	14,000
	2,73,920		2,73,920

टिप्पणी

कार्यकारी टिप्पणी :

(अ) समझौते की अनुपस्थिति में सेवानिवृत्त साझेदार के पूंजी खाते का शेष उसके ऋण खाते में हस्तांतरित कर दिया गया।

(ब) समझौते की अनुपस्थिति में शेष साझेदारों का वर्तमान अनुपात ही अधिलाभ अनुपात होगा, जोकि 3:1 है।

(स) शेष साझेदारों द्वारा लाई गई रोकड़ (भुगतान की गई) की गणना।

	चौहान ₹	*त्रिपाठी* ₹
चौहान एवं त्रिपाठी की कुल पूंजी		
समायोजित पूंजी	98,460	32,820
(₹ 68,460 + ₹ 62,820 = ₹ 131280	68,460	62,820
को 3 : 1 में)		
अधिक या कमी	30,000 (अधिक)	30,000 (कमी)

पाठगत प्रश्न 24.5

i. सुरिंदर, महिंद्र एवं तरुण एक फर्म में साझेदार हैं। सुरिंदर के सेवानिवृत्त होने के बाद महिंद्र एवं तरुण के बीच लाभ विभाजन अनुपात 5 : 3 है।

वे फर्म की पूंजी ₹ 80,000 करने का भी निर्णय लेते हैं। महिंद्र एवं तरुण की व्यक्तिगत पूंजी ज्ञात करें

महिंद्र की पूंजी ₹ .....

तरुण की पूंजी ₹ .....

ii. सोहन, अमीशा एवं नीना साझेदार हैं। ये लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते है। जब सोहन सेवानिवृत्त होता है उनकी समायोजित पूंजी क्रमशः ₹ 90,000; ₹ 60,000 एवं ₹ 70,000 है। अमीशा एवं मीना ने फर्म की कुल पूंजी को 5:3 के अनुपात में करने का निर्णय लिया। प्रत्येक साझेदार की पूंजी ज्ञात करें।

अमिशा की पूंजी ₹ .....

नीना की पूंजी ₹ .....

टिप्पणी

24.7 साझेदार की मृत्यु

साझेदार की मृत्यु पर, ख्याति, परिसम्पतियों का पुनर्मूल्यांकन एवं दायित्वों का पुनर्निर्धारण, एकत्रित संचय एवं अवितरित लाभों के संबंध में लेखांकन व्यवहार उसी प्रकार होगा जैसा कि साझेदार के सेवानिवृत होने पर किया जाता है। साझेदार की मृत्यु पर उसके कानूनी उत्तराधिकारी को देय राशि का भुगतान किया जाएगा। उत्तराधिकारी निम्न राशि को प्राप्त करने का अधिकारी है :

(क) मृतक साझेदार के पूंजी खाते में जमा शेष।

(ख) पूंजी पर ब्याज, यदि साझेदारी सलेख में प्रावधान हो, मृत्यु की तिथि तक।

(ग) फर्म की ख्याति में भाग;

(घ) अवितरित लाभों के संचय में भाग;

(ङ) मृत्यु की तिथि तक लाभ में भाग;

(छ) संयुक्त जीवन-बीमा में भाग;

मृतक साझेदार के कानूनी उत्तराधिकारी के खाते में निम्न राशियों को नाम में लिखा जाएगा :

(i) आहरण;

(ii) आहरण पर ब्याज;

(iii) परिसम्पत्तियों एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन से हानि का भाग;

(iv) उसकी मृत्यु की तिथि तक यदि कोई हानि होती है तो उसका भाग।

मृतक साझेदार के पूंजी खाते में उपरोक्त समायोजन करके पूंजी खाते के शेष को, उसके उतराधिकारी के नाम से खाता खोलकर उसमें हस्तांतरित कर दिया जाता है।

मृतक साझेदार को राशि का भुगतान समझौते पर निर्भर करता है। समझौते की अनुपस्थिति में मृतक साझेदार का कानूनी उत्तराधिकारी देय राशि पर मृत्यु की तिथि से अंतिम भुगतान होने की तिथि तक 6% वार्षिक ब्याज का अधिकारी होगा।

साझेदार की मृत्यु की तिथि तक के लाभ की गणना

यदि साझेदार की मृत्यु वर्ष के दौरान होती है तब मृतक साझेदार का उत्तराधिकारी, मृत्यु की तिथि तक अर्जित किए गए लाभ में उसके भाग का अधिकारी होगा। इस लाभ का निर्धारण निम्न में से किसी विधि द्वारा किया जाएगा :

(i) समय का आधार;

(ii) विक्रय या आवर्त आधार (Turnover or Sales Basis)

टिप्पणी

(i) समय का आधार

इस स्थिति में यह माना जाएगा कि पूरे वर्ष में समान रूप से लाभ हो रहा है उदाहरण के लिए :

पिछले वर्ष कुल लाभ ₹ 1,25,000 है एवं साझेदार की पिछले वर्ष की समाप्ति के तीन महीने बाद मृत्यु हुई है तो तीन महीने का लाभ ₹ 31,250 होगा (₹ 1,25,000 × 3/12) यदि मृतक साझेदार का लाभ में 2/10 भाग है तो मृत्यु की तिथि तक उसका भाग ₹ 6,250 होगा (₹ 31,250 × 2/10)

(ii) विक्रय या आवर्त आधार

इस विधि में हम पिछले वर्ष की कुल विक्रय एवं लाभ को आधार लेगें। इसके बाद पिछले वर्ष की बिक्री के आधार पर मृत्यु की तिथि तक के लाभ का अनुमान लगाया जाएगा। यह माना जाएगा कि लाभ का अर्जन पूरे वर्ष समान दर से हो रहा है।

उदाहरण 12

अरुण, तरुण एवं नेहा साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। 31 मई 2014 को नेहा की मृत्यु हो गई। वर्ष 2013–2014 के लिए विक्रय की राशि ₹ 4,00,000 है तथा विक्रय पर लाभ ₹ 60,000 है। प्रत्येक वर्ष 31 मार्च को खाते बंद किए जाते हैं। 1 अप्रैल 2014 से 31 मई 2014 तक ₹ 1,00,000 का विक्रय हुआ।

मृत्यु की तिथि तक मृतक साझेदार के लाभ के भाग की गणना करें।

हल

1 अप्रैल 2014 से 31 मई 2014 का लाभ, विक्रय के आधार पर

यदि विक्रय ₹ 4,00,000 है तो लाभ ₹ 60,000

यदि विक्रय ₹ 1,00,000 है तब लाभ होगा 60,000/4,00,000 × 1,00,000

= ₹ 15,000

नेहा का भाग = 15,000 × 1/6 = ₹ 2,500

विकल्प के तौर पर लाभ की गणना इस प्रकार की जा सकती है

$$\text{लाभ की दर} = \frac{60,000}{4,00,000} \times 100 = 15\%$$

मृत्यु की तिथि तक विक्रय = ₹ 1,00,000

टिप्पणी

$$\text{लाभ} = 1,00,000 \times \frac{15}{100} = ₹15,000$$

$$\text{नेहा का भाग} = 15,000 \times \frac{1}{6} = ₹2,500$$

उदाहरण 13

नूतन, सुमित एवं शीबा एक फर्म में साझेदार हैं। लाभ का विभाजन 5 : 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। 31 दिसंबर 2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न है :

दायित्व		*(₹)*	*परिसम्पत्तियाँ*	*(₹)*
लेनदार		52,000	भवन	60,000
संचय कोष		15,000	सयंत्र	50,000
पूंजी			स्टॉक	27,000
नूतन	60,000		देनदार	25,000
सुमित	45,000		रोकड़	10,000
शीबा	30,000	1,35,000	बैंक	30,000
		2,02,000		2,02,000

1 जुलाई 2015 को नूतन की मृत्यु हो गई। उसके उतराधिकारी एवं शेष साझेदारों के बीच निम्न सहमति हुई :

(i) ख्याति का मूल्यांकन पिछले 4 वर्षों के औसत लाभ के 2½ वर्ष के क्रय के बराबर होगा जो कि 2011, का ₹ 25,000, 2012, का ₹ 20,000, 2013, का ₹ 40,000, एवं 2014, का ₹ 35,000 है।

(ii) भवन का ₹ 70,000, सयंत्र का ₹ 46,000 स्टॉक का ₹ 32,000 मूल्यांकन किया गया।

(iii) 2015 में लाभ पिछले वर्ष की दर से हुआ।

(iv) पूंजी पर ब्याज का 9% वार्षिक प्रावधान है।

(v) 1 जुलाई, 2015 को आहरण खाता में ₹ 20,000 शेष है।

(vi) उसके उत्तराधिकारी को ₹ 25,950 का तुरंत भुगतान किया गया। शेष को उत्तराधिकारी के ऋण खाते में हस्तांतरित किया जाएगा।

1 जुलाई, 2015 को नूतन का पूंजी खाता एवं नूतन के उत्तराधिकारी का खाता तैयार करें।

टिप्पणी

हल

(i) ख्याति का मूल्यांकन :

कुल लाभ = ₹ 25,000 + ₹ 20,000 + ₹ 40,000 + ₹ 35,000 = ₹ 1,20,000

औसत लाभ = 1,20,000/4 = ₹ 30,000

अतः 2½ वर्ष क्रय पर ख्याति = ₹ 30,000 × 2½ = ₹ 75,000

ख्याति में नूतन का भाग = 75,000 × 5/10 = ₹ 37,500

यह राशि सुमित और शीबा के पूँजी खातों में 3 : 2 के लाभ अनुपात में समायोजित की जायेगी, जो कि क्रमशः ₹ 22,500 एवं ₹ 15,000 है।

(ii) नूतन को देय लाभ का भाग (मृत्यु की तिथि तक)
= ₹ 35,000 × 6/12 × 5/10 = ₹ 8,750

(iii) संचय कोष में नूतन का भाग = 15,000 × 5/10 = ₹ 7,500

(iv) नूतन की पूँजी पर ब्याज = 60,000 × 9/100 × 6/12 = ₹ 2,700

पूर्नमूल्यांकन खाता

नाम जमा

विवरण	*(₹)*	*विवरण*	*(₹)*
सयंत्र	4,000	भवन	10,000
लाभ का हस्तांतरण :		स्टॉक	5,000
नूतन की पूंजी 5,500			
सुमित की पूंजी 3,300			
शीबा की पूंजी 2,200	11,000		
	15,000		15,000

नूतन का पूंजी खाता

नाम जमा

विवरण	*(₹)*	*विवरण*	*(₹)*
आहरण	20,000	शेष आ/ला	60,000
नूतन का उतराधिकारी	1,01,950	संचय कोष	7,500
		सुमित की पूंजी (ख्याति)	15,000
		शीबा की पूंजी (ख्याति)	22,500

टिप्पणी

		लाभ व हानि (उचिंत)	8,750
		पुनर्मूल्यांकन खाता	5,500
		पूंजी पर ब्याज	2,700
	1,21,950		1,21,950

नूतन के उतराधिकारी का खाता

नाम जमा

विवरण	*(₹)*	*विवरण*	*(₹)*
बैंक	25,950	नूतन की पूंजी	1,01,950
नूतन के उतराधिकारी का ऋण		76,000	
	1,01,950		1,01,950

पाठगत प्रश्न 24.6

उचित शब्द भरकर रिक्त स्थानों की पूर्ति कीजिए :

i. उत्तराधिकारी को ..... के सभी अधिकार मिलेंगें।

ii. मृतक साझेदार के भाग की ख्याति ..... खाते में.....की जाएगी।

iii. साझेदार की मृत्यु की स्थिति में लाभ का अनुमान.....एवं.....के आधार पर किया जाएगा।

iv. मृतक साझेदार के पूंजी खाते का शेष उसके.....खाते में हस्तांरित किया जाएगा।

v. मृतक साझेदार द्वारा देय आहरण पर ब्याज की राशि मृत्यु की तिथि तक उसके पूंजी खाते में.....की जाएगी।

आपने क्या सीखा

- **सेवानिवृत्ति**

1. कुछ कारणों से जैसे वृद्धावस्था, खराब स्वास्थ्य, खराब संबंध आदि वर्तमान साझेदार साझेदारी से सेवानिवृत होने का निर्णय ले सकते हैं। सेवानिवृत्ति से वर्तमान साझेदारी का अंत होगा एवं शेष साझेदार नये समझौते का निर्माण करेंगे। साझेदारी फर्म का पुनर्गठन नई शर्तों एवं नियमों से होगा।

टिप्पणी

2. सेवानिवृति के समय निम्न लेखांकन विषय उत्पन्न होते हैं :
   (अ) नया लाभ विभाजन अनुपात एवं अधिलाभ अनुपात
   (ब) ख्याति
   (स) परिसंपतियों एवं दायितवों के मूल्य में परिवर्तन का समायोजन
   (द) संचय एवं एकत्रित लाभों का लेखाकरण
   (च) सेवानिवृत साझेदार को देय का निपटारा
   (छ) विद्यमान साझेदारों की नई पूंजी

● मृत्यु

1. जब साझेदार की मृत्यु होती है उसको देय राशि उसके कानूनी उत्तराधिकारी को दी जाती है।

2. मृतक साझेदार का उत्तराधिकारी निम्न का अधिकारी होगा
   (क) मृतक साझेदार के पूंजी खाते में जमा शेष
   (ख) पूंजी पर ब्याज यदि साझेदारी संलेख में प्रावधान हो, मृत्यु की तिथि तक
   (ग) फर्म की ख्याति में भाग
   (घ) अवितरित लाभों एवं संचय में भाग
   (ङ) परिसंपतियों एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन पर लाभ का भाग
   (च) मृत्यु की तिथि तक लाभ में भाग
   (छ) संयुक्त जीवन बीमा में भाग

   मृतक साझेदार के कानूनी उतराधिकारी के खाते में निम्न राशियों को नाम में लिखा जाएगा :
   (i) आहरण
   (ii) आहरण पर ब्याज
   (iii) परिसंपतियों एवं दायित्वों के पुनर्मूल्यांकन से हानि का भाग
   (iv) उसकी मृत्यु तिथि तक यदि कोई हानि होती है तो उसका भाग

3. साझेदार की मृत्यु की तिथि तक लाभ की गणना करने की दो विधियाँ है :
   (i) समय का आधार (ii) विक्रय या आर्वत आधार

पाठान्त प्रश्न

1. साझेदार की सेवानिवृत्ति से आप क्या समझते हैं?
2. अधिलाभ अनुपात का वर्णन करें।

टिप्पणी

3. साझेदार के सेवानिवृत होने पर ख्याति के लेखाकरण का वर्णन कीजिए।

4. जब साझेदार की मृत्यु होती है तब क्या समस्या उत्पन्न होती है? लेखाकार होने के नाते आप इसका लेखाकरण किस प्रकार करेंगे?

5. सीमा, मोहित, एवं मीनाक्षी फर्म में साझेदार हैं एवं लाभ का विभाजन 7 : 6 : 7 के अनुपात में करते हैं। मोहित सेवानिवृत्ति लेता है। इसका भाग सीमा व मीनाक्षी ने बराबर बाँट लिया। सीमा एवं मीनाक्षी के नये लाभ विभाजन अनुपात की गणना करें।

6. आशू, असमिता एवं मीतू साझेदार हैं। ये लाभ का विभाजन 4 : 3 : 2 के अनुपात में करते हैं। आशू सेवानिवृत होता है। यह मानें कि असमिता व मीतू भविष्य में लाभ को 5 : 3 के अनुपात में विभाजन करेंगे। अधिलाभ अनुपात की गणना कीजिए।

7. अनु बीना और चंदर एक फर्म में साझेदार हैं। ये लाभ का विभाजन 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। 31 मार्च 2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न है।

दायित्व		*(₹)*	*परिसंपतियाँ*	*(₹)*
विविध लेनदार		32,00	हस्तस्थ रोकड़	1,200
सामान्य संचय		12,000	बैंक में रोकड़	2,000
पूंजी :			देनदार	18,000
अनु	20,000		स्टॉक	14,000
बीना	20,000		मशीनरी	12,000
चंदर	20,000	60,000	भवन	28,000
		75,200		75,200

स्थिति विवरण की तिथि को चंदर फर्म से सेवानिवृति लेता है। परिसंपतियों में समायोजन के लिए निम्न सहमति हुई :

(अ) विविध देनदारों पर संदिग्ध ऋण के लिए 5% से प्रावधान कीजिए।

(ब) भवन का पुनर्मूल्यांकन ₹ 30,200 हुआ।

(स) स्टॉक पर 5% व मशीनरी पर 10% ह्रास लगाए।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूंजी खाते व अनु और बीना का स्थिति विवरण तैयार करें।

8. अशोक, बाबू एवं चीनू साझेदार हैं। ये लाभ हानि का विभाजन क्रमशः 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। मार्च 31, 2014 को फर्म का स्थिति विवरण निम्न है :

टिप्पणी

दायित्व		*(₹)*	*परिसंपतियाँ*		*(₹)*
विविध लेनदार		38,000	संयन्त्र एवं मशीनरी		70,000
देयविपत्र		10,000	भवन		90,000
सामान्य संचय		24,000	मोटर कार		16,000
पूँजी			देनदार	32,000	
अशोक	80,000		*घटा* डूबत ऋण		
बाबू	60,000		के लिए प्रावधान	1,000	31,000
चीनू	50,000	1,90,000	स्टॉक		50,000
			रोकड़		5,000
		2,62,000			2,62,000

इस तिथि को बाबू सेवानिवृत हुआ। निम्न का समायोजन हुआ
(अ) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 36,000 किया गया।
(ब) सयंत्र व मशीनरी पर 10% पर एवं मोटर कार पर 15% ह्रास लगाया।
(स) स्टॉक में 20% एवं भवन पर 10% वृद्धि की गई।
(द) संदिग्ध ऋण के लिए प्रावधान में ₹ 3,900 से वृद्धि की गई।

पुनर्मूल्यांकन खाता एवं बाबू का पूंजी खाता तैयार करें।

9. ध्रुव, राजा एवं लीला साझेदार हैं। लाभ–हानि का विभाजन क्रमशः 3 : 2 : 1 के अनुपात में करते हैं। मार्च 31, 2014 को स्थिति विवरण निम्न है।

दायित्व		*(₹)*	*परिसंपतियाँ*		*(₹)*
विविध लेनदार		31,200	संयंत्र व मशीनरी		37,600
ध्रुव ऋण		10,000	भवन		24,000
पूंजी :			देनदार	24,800	
ध्रुव	51,840		*घटा:* डूबत ऋण		
राजा	27,360		के लिए प्रावधान	2,400	22,400
लीला	14,240	93,440	स्टॉक		18,400
			रोकड़		32,240
		1,34,620			1,34,640

ध्रुव 31 मार्च, 2014 को सेवानिवृत होता है। राजा एवं लीला साझेदार रहते हुए लाभ–हानि का विभाजन 2:1 के अनुपात में करते हैं। ध्रुव को 1.4.2014 को ₹ 20,000 का भुगतान किया गया तथा वह शेष राशि को फर्म में उसके ऋण के रूप में रखने के लिए सहमत हो गया।

ध्रुव के सेवानिवृति के लिए निम्न सहमति हुई :

टिप्पणी

(अ) भवन का पुनर्मूल्यांकन ₹ 48,000 व सयंन्त्र एवं मशीनरी का ₹ 31,600 किया गया।
(ब) डूबत ऋण के लिये प्रावधान में ₹ 800 से वृद्धि की गई।
(स) ₹ 1,000 का प्रावधान, जो कि लेनदारों में सम्मिलित है, कि अब आवश्यकता नहीं है।
(द) स्टॉक में सम्मिलित क्षतिग्रस्त वस्तुओं के लिये स्टॉक से ₹ 2,400 अपलिखित किए गए।
(छ) अदत्त कानूनी व्यय के संबंध में ₹ 8,480 का प्रावधान कीजिए।
(द) फर्म की ख्याति का मूल्यांकन ₹ 28,800 किया गया।

पुनर्मूल्यांकन खाता, साझेदारों के पूंजी खाते एवं पुनर्गठित फर्म का स्थिति विवरण तैयार करें।

10. सन्नी, हनी एवं रूपेश एक फर्म में साझेदार है। 31 मार्च, 2014 को उनका स्थिति विवरण निम्न है :

दायित्व		*(₹)*	*परिसंपतियाँ*	*(₹)*
लेनदार		20,000	सयन्त्र व मशीनरी	40,000
समान्य संचय		20,000	फर्नीचर व फिटिंग	5,000
पूंजी :			देनदार	30,000
सन्नी	40,000		स्टॉक	21,000
हनी	30,000		विनियोग	24,000
रूपेश	10,000	80,000		
		1,20,000		1,20,000

30.06.2014 को हनी की मृत्यु हो गई। साझेदारी संलेख में यह प्रावधान है कि मृतक साझेदार का उत्तराधिकारी निम्न राशि का अधिकारी होगा :
(i) मृतक साझेदार के पूंजी खाते का शेष।
(ii) पूंजी पर ब्याज 8% वार्षिक मृत्यु की तिथि तक।
(iii) मृत्यु की तिथि तक उनके भाग का लाभ पिछले 3 वर्षों के लाभों के औसत के आधार पर।
(iv) अंतिम स्थिति विवरण के अनुसार अवितरित लाभ व हानि में उसका भाग।
(v) पिछले 3 वर्षों का लाभ ₹ 30,000; ₹ 40,000 एवं ₹ 50,000 है।

हनी के कानूनी उत्तराधिकारी को देय राशि का निर्धारण कीजिए।

पाठगत प्रश्नों के उत्तर

24.1 i. (अ) बड़ी आयु (ब) अस्वस्थता (स) खराब

टिप्पणी

ii. वर्तमान अनुपात + अधिलाभ अनुपात

iii. वर्तमान अनुपात iv. 2 : 1

24.2 (i) असत्य (ii) सत्य (iii) असत्य (iv) असत्य

24.3 I. (i) लाभ (ii) जमा : साझेदार का पूंजी खाता
(iii) पुनर्मूल्यांकन, संपतियाँ

II पुनर्मूल्यांकन खाता नाम
लेनदारों का खाता से
(लेनदारों के मूल्य में वृद्धि)

24.4 I. (i) उसके पूंजी खाते का शेष
(ii) फर्म की ख्याति में उसका भाग
(iii) पुनर्मूल्यांकन लाभ में उसका भाग
(iv) सामान्य संचय एवं एकत्रित लाभ में उसका भाग
(v) पूंजी पर ब्याज या कोई अन्य

II. (i) एकमुश्त (ii) किश्तों में

III. ₹ 33,000

24.5 I. महेंद्र की पूंजी ₹ 50,000; तरुण की पूंजी ₹ 30,000

II. अमीशा की पूंजी ₹ 1,37,500; नीना की पूंजी ₹ 82,500; कुल पूंजी ₹ 2,20,000

24.6 I. (i) मृतक साझेदार (ii) जमा (iii) समय, विक्रय
(iv) उत्तराधिकारी (v) नाम

पाठांत प्रश्नों के उत्तर

5. नया अनुपात 1 : 1
6. अधिलाभ अनुपात 21 : 11
7. पुनर्मूल्यांकन पर हानि ₹ 600 स्थिति विवरण का योग ₹ 74,600
8. पुनर्मूल्यांकन पर लाभ ₹ 5,700 बाबू के पूंजी खाते का शेष ₹ 81,900
9. पुनर्मूल्यांकन पर लाभ ₹ 7,320 स्थिति विवरण का भाग ₹ 1,22,680
10. हनी के उतराधिकारी को देय राशि ₹ 44,534